**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 30-01-2026**

**उन्नाव(उत्तर प्रदेश ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-01-30 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2026-01-31 | 2026-02-01 | 2026-02-02 | 2026-02-03 | 2026-02-04 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 4.0 | 6.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 22.0 | 23.0 | 25.0 | 25.0 | 25.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 10.0 | 11.0 | 14.0 | 13.0 | 13.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 96 | 90 | 95 | 94 | 94 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 69 | 67 | 69 | 74 | 80 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 8 | 4 | 6 | 7 | 5 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 301 | 304 | 90 | 9 | 344 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 5 | 4 | 5 | 5 | 2 |
| चेतावनी | कोहरा | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं |

## पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों में मध्यम से घने बादल छाए रहने के कारण 2-4 फरवरी, 2026 को हल्की से मध्यम बारिश, तेज हवाओं, गरज और बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम तापमान 22.0-25.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक हो सकता है, और न्यूनतम तापमान 10.0-14.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 3-4 डिग्री सेल्सियस अधिक हो सकता है। सापेक्ष आर्द्रता का अधिकतम और न्यूनतम स्तर 90-96% और 67-80% के बीच रहेगा। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व से होगी और हवा की गति 4.0-8.0 किमी/घंटा के बीच रहेगी, जो सामान्य से 2-3 किमी/घंटा अधिक होने की उम्मीद है।

## मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से मिली मौसम की जानकारी के अनुसार, 2-4 फरवरी, 2026 को गरज-चमक और तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

## मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सूचित किया जाता है कि वे बर्षा की सम्भावना को देखते हुए रबी की खड़ी फसलों में सिचाई एवं खरपतवारनाशी का छिड़काव स्थगित रखें। सरसों, चना , राजमा , मटर आदि फसलों को शीत लहर/पाला से बचाव के लिए सल्फ्यूरिक एसिड 0.1 % 1 लीटर की दर से 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।

## सामान्य सलाहकार:

किसानों को सूचित किया जाता है कि वे बर्षा की सम्भावना को देखते हुए रबी की खड़ी फसलों में सिचाई एवं खरपतवारनाशी/कीटनाशक का छिड़काव स्थगित रखें। खेत की तैयारी कर, जायद मक्का व ग्रीष्म कालीन सब्जियों की बुआई के लिए खाद व बीज की व्यवस्था कर बुवाई का कार्य करें। कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों के लिए अलग -अलग अथवा उपकरणों को साफ पानी से धोकर ही प्रयोग करें तथा कीटनाशी, रोगनाशी एवं खरपतवार नाशी रसायनों का छिड़काव हवा के विपरीत दिशा में खड़े होकर छिड़काव या बुरकाव न करें। छिड़काव यथा सम्भव हो तो सायंकाल के समय करे, छिड़काव के बाद खाने-पिने से पूर्व हाथों को साबुन या हैंड वाश से अच्छी तरह से धो लेना चाहिए तथा कपड़ो को धोकर नहा लेना चाहिए।

## लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वर्षा की सम्भावना को देखते हुए खड़ी फसलों में सिचाई एवं जायद मक्का व ग्रीष्म कालीन सब्जियों की बुआई का कार्य स्थगित रखें।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गेहूँ | गेहू की फसल में तीसरी सिंचाई बुवाई के 60-65 दिन बाद गाँठ बनने की अवस्था पर हल्की सिंचाई अवश्य करे तथा नत्रजन की एक तिहाई मात्रा की टॉपड्रेसिंग दूसरी सिचाई के बाद ओट आने पर करें। अति विलम्ब से बोई गई गेहूं की फसल में यदि सकरी व चौड़ी पत्ती वाले, दोनों प्रकार के खरपतवार दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फुरान 75% डब्लू पी ३३ ग्राम/हेक्टेयर या मैट्रीब्यूजिन 70 %डब्लू पी 250 ग्राम / हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। |
| सरसों | सरसों की फसल में दूसरी सिचाई फूल निकलने के पहले या दाना भरने की अवस्था पर करें।आसमान में लगातार बादल छाए रहने के कारण सरसों की फसल में माँहू, चित्रित वग एवं पत्ती सुरंगक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफास 20 % ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर या मोनोक्रोटोफॉस 36 % एस.एल.की 500 मिली० /हेक्टेयर की दर से 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें। |
| फील्ड पी | वातावरण में नमी की अधिकता होने के कारण मटर के फसल की पत्तियों, तनों और फलियों पर सफेद चूर्ण की तरह के लक्षण दिखाई दे तो, (बुकनी रोग) इसके रोकथाम हेतु ट्राइडोमार्फ 80% ईसी की 500 मिली0 प्रति हेक्टेयर की दर से 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर १२-१५ दिन के अन्तराल पर दो छिड़काव आसमान साफ होने पर करें। |
| चना | चने की फसल में आवश्यकतानुसार हल्की सिचाई फूल निकलने से पहले या दाना भरने की अवस्था पर करें। चने की फसल में कटुआ (कटवर्म) कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है इसके रोकथाम हेतु क्लोरपाइरीफोस 50% ईसी + साइपरमेथ्रिन 5% ईसी 2.0 लीटर/ हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। |
| मक्का | जायद मक्के की संस्तुति संकुल प्रजातियां- कंचन, गौरव,स्वेता, आजाद उत्तम एवं शंकर प्रजातियां- प्रकाश, दिकाल्ब- 7074, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच.-१३३ आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई करें। मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए २०-२५ किलोग्राम बीज/हेक्टयर तथा शंकर प्रजाति १८-२० किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की दर से बुवाई करें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| आलू | समय से बोई गई आलू की फसल में किसी भी प्रकार की सस्य क्रियाये न करें। वातावरण में नमी बढ़ने/ बादल छाये रहने और तापक्रम गिरने से आलू की फसल में झुलसा रोग का प्रकोप तेजी से फैलता है, अतः इसके रोकथाम हेतु मैंकोजेब या रिडोमिल २.५ ग्राम/लीटर पानी अथवा कॉपर आक्सीक्लोराइड ३.० ग्राम/लीटर पानी का में घोल बनाकर १२-१५ दिन के अन्तराल पर छिड़काव करे। |
| प्याज | ग्रीष्म कालीन मौसम में बोई जाने वाली सब्जिओं जैसे- भिण्डी, तोरई, खीरा, करेला, लौकी एवं कद्दू आदि की बुवाई के लिए खेत की तैयारी करें। प्याज के तैयार पौध की रोपाई करें तथा पौध की रोपाई के तुरंत बाद सिंचाई करें। प्याज की फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु पेंडीमेथलीन ३०% ई.सी.3.5 लीटर दवा /हेक्टेयर रोपाई के तुरंत बाद या सिंचाई के ठीक पहले 800 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। टमाटर,मिर्च की फसल में पछेती झुलसा और बैक्टीरियल बिल्ट रोग का प्रकोप दिखाई देने पर 10 लीटर पानी में 30 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड और 1 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइलिन का मिश्रण मिलाकर छिड़काव करे। |
| आम | आम के बागों में भुनगा एवं लस्सी कीट प्रकोप दिखाई देने के आसार है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई सी 2.0 मिलीलीटर या फेनिट्रोथियान 50 ई सी 3.0 मिलीलीटर/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। बेर के फलों को गिरने से बचाने के लिए सुपर 6 हार्मोन 1.0 मिलीलीटर प्रति 4.5 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। केले के बागो की निराई- गुड़ाई करते समय पौधों पर मिट्टी चढ़ा दें पुत्तियों की छटाई करें तथा फूल एवं फल निकलने पर बांस अथवा लकड़ी से पौधों को सहारा दे I आम के पेड़ों में सफाई करें तथा सूखे एवं रोग ग्रस्त टहनियों को काट दे I |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| भेंस | वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सुबह-शाम पशुओं के ऊपर झूल डालें, जानवरों को रात के दौरान खुले में न बांधें और रात में खिड़कियों और दरवाजों पर जूट के बोरे के पर्दे लगाएं और दिन के दौरान धूप में पर्दे हटा दें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओ को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुथरे स्थान पर रखें। |

## मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

| मुर्गी पालन | मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| मुर्गी | किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को दिन में 15 से 16 घंटे प्रकाश उपलब्ध कराये। मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। चूजों को ठंड से बचाने हेतु पर्याप्त गर्मी की व्यवस्था करें। |

## मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से मिली मौसम की जानकारी के अनुसार, 2-4 फरवरी, 2026 को गरज-चमक और तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

## प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सूचित किया जाता है कि वे बर्षा की सम्भावना को देखते हुए रबी की खड़ी फसलों में सिचाई एवं खरपतवारनाशी का छिड़काव स्थगित रखें। सरसों, चना , राजमा , मटर आदि फसलों को शीत लहर/पाला से बचाव के लिए सल्फ्यूरिक एसिड 0.1 % 1 लीटर की दर से 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।

**Farmers are advised to download Unified ‘Mausam’ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.**

**Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/**

**Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details**

**Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details**